Sabarmati University, Ahmedabad

DEPARTMENT OF RESEARCH AND DEVELOPMENT

Ph.D. PROGRAMME

Ph.D. ENTRANCE TEST (REAT) Syllabus

SUBJECT: __ Hindi_
(SECTION-B)

Unit-1- हिंदी भाषा और उसका विकास

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी की उपभाषाएं , हिन्दी के विविध रूप हिन्दी , उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी, हिन्दी का भाषिक स्वरूप, हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार , हिन्दी भाषा प्रयोग के विविध रूप , हिन्दी – वाक्य रचना, कम्पूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति, देवानागरी लिपि , हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियां, समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता ।

Unit-2- हिंदी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्य का इतिहास ,स्रोत, हिन्दी साहित्य के इहिास की परम्परा एवं उसके आधार , काल विभाजन एवं नामकरण की समस्या, आदिकाल, सामाजिक परिस्थितियां, कवि एवं उनकी रचनाएं, भक्तिकाल, परिस्थितियां कवि एवं उनकी रचनाए, रीतिकाल एवं आधुनिक काल, भारतेन्दुयग एवं नवजागरण, द्विवेदी युग एवं छायावाद युन , प्रयोगवाद नई कविता और समकालीन कविता , समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता, आधुनिक हिन्दी गद्य का विकास गद्य की विविध विधाएँ ,उपन्यास की पृष्ठभूमि, कहानी की पृष्ठभूमि, नाटक की पृष्ठभूमि, हिन्दी का प्रवासी साहित्य, अवधारणा एवं प्रमुख साहित्यकार ।

Unit-3- साहित्यशास्त्र

काव्य के लक्षण , काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन , प्रमुख संप्रदाय और सिद्धान्त रस , अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य, रस निष्पत्ति, प्लेटो के काव्य सिद्धान्त , अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त , त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धान्त, वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धान्त , अरस्तू : कॉलरिज: कल्पना और फैंटेसी , टी.एस. इलिएट: निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त , परम्परा की अवधारणा , आई.ए. रिचर्ड्स मूल्य सिद्धान्त , संप्रेषण सिद्धान्त तथा काव्य-भाषा सिद्धान्त, रूसी रूपवाद, नयी समीक्षा मिथक, फंतासी, कल्पना, प्रतीक, बिम्ब।

Unit-4- हिन्दी कविता

पृथ्वीराज रासो रेवा तट , अमीर खुसरो खुसरों की पहेलियाँ और मुकरियाँ , विद्यापति की पदावली , जायसी ग्रंथावली (नागमती वियोग खण्ड) कबीर , सूरदास भ्रमरगीत सार , तुलसीदास रामचरितमानस , उत्तर काण्ड, , मीरा, बिहारी सतसई, घनानन्द कवित्त, विश्वनाथ त्रिपाठी, प्रियप्रवास, भारत भारती, साकेत (नवम् सर्ग), आंसू, कामायनी (लज्जा, इड़ा), परिवर्तन, प्रथम रश्मि, उर्वशी (तृतीय अंक), रश्मिरथी, कालिदास, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद , खुरदरे पैर, जूही की कली , जागो फिर एक बार , सरोजस्मृति, राम की शक्तिपूजा, कुरमुत्ता, बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु , बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ , मैं नीर भरी दुख की बदली , फिर विकल है प्राण मेरे , यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो , द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र , शासन की बंदूक,कलगी बाजरे की , यह दीप अकेला , हरी घास पर क्षण भर असाध्य वीणा कितनी नावों में कितनी बार , गीत फरोश, सतपुड़ा के जगल, भूल गलती ब्रह्मराक्षस अंधेरे में, मोचीराम, अकाल दर्शन, रोटी और संसद।

Unit-5- आत्मकथा, जीवनी तथा अन्य गद्य विधाएं

क्या भूलूँ क्या याद करूं , मेरी तिब्बत यात्रा , आवारा मसीहा , माटी की मूरतें , परीक्षा गुरु , गोदान, देवरानी जेठानी की कहानी, शेखर एक जीवनी (भाग – 1), बाणभट्ट की आत्मकथा, मैला आंचल, झूठा सच, मानस का हंस, तमस, राग दरबारी, जिंदगीनामा, उसने कहा था, अपना-अपना भाग्य, उसने कहा था, तीसरी कसम, चीफ की दावत, अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा, चन्द्रगुप्त, स्कंदगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, अंधायुग, सिंदूर की होली आधे-अधूरे, आषाढ़ का एक दिन, भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती, शिवशंभु के चिट्टे, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, नाखून क्यों बढ़ते हैं, उठ जाग मुसाफिर।